सर्टिफिकेट पिम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

मॉड्यूल 15- जल उपभोक्ता समिति को सशक्त करने वाले तत्व

विषय 15.4 सामुदायिक गतिशीलता

विषय 15.4
सामुदायिक गतिशीलता

मॉड्यूल 15 के विषय:

15.1 अंतर्विभागीय संपर्क

15.2 महिलाओं की भागीदारी

15.3 नेतृत्व

15.4 सामुदायिक गतिशीलता

1. पृष्ठभूमि

जल उपभोक्ता समिति (डब्ल्यू.यू.ए.) सिंचाई प्रबंधन हस्तांतरण (आई.एम.टी.) की रीढ़ हैं, या दूसरे शब्दों में, डब्ल्यू.यू.ए.की सफलता आई.एम.टी. कार्यक्रम की प्रभावशीलता को चिह्नित करता है। देश भर में, डब्ल्यू.यू.ए. का गठन राज्य-विशिष्ट अधिनियमों या मौजूदा अधिनियमों में संशोधनों और कुछ मामलों में सरकारी

अधिसूचना के माध्यम से भी किया जाता है । देश के भीतर, डब्ल्यू.यू.ए. के विकास विभिन्न स्तरों पर हैं । कुछ स्थानों पर वे सफल होते हैं; दूसरी ओर अधिकांश स्थानों पर सफल डब्ल्यू.यू.ए. की स्थापना एक 'कार्य-प्रगति' की तरह है।

अपने अधिकार क्षेत्र में नहर प्रणाली के सामान्य संचालन और रखरखाव (ओ.एंड एम.) के अलावा, कई डब्ल्यू.यू.ए. सिंचाई शुल्क संग्रह में भी लगे हुए हैं। दूसरी ओर, कुछ ' बहुत प्रगतिशील' डब्ल्यू.यू.ए. कई अन्य गतिविधियों में लगे हुए हैं और यह सब उन्हें देश के कई अन्य डब्ल्यू.यू.ए. से अलग बनाया जाता है ।

डब्ल्यू.यू.ए. को मजबूत बनाना एक बहुआयामी मामला है जिसके विभिन्न बहुविषयक और बहु-क्षेत्रीय पहलू हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है। इनमें से कुछ पहलू विशुद्ध रूप से सूचना और जागरूकता से संबंधित हैं, जबकि अन्य वास्तविक जीवन के मामले (केस-स्टडीज) के अध्ययन के माध्यम से प्रेरणा और आत्म-विश्वास से संबंधित हैं:

1. डब्ल्यू.यू.ए. को मजबूत बनाने में सहायता करने वाले पहलुओं पर चर्चा - जागरूकता और जानकारी
2. डब्ल्यू.यू.ए. को एक आत्मनिर्भर और सक्रिय मॉडल बनाने के प्रति किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए - क्षमता प्रदान करना
3. कुछ वास्तविक जीवन के मामले (केस-स्टडीज) के अध्ययन साझा करते हुए डब्ल्यू.यू.ए. में विश्वास स्थापित करने के लिए के लिए कि, ' हां यह संभव है ' - आत्म विश्वास

इस मॉड्यूल का उद्देश्य उपरोक्त तीनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, जल उपभोक्ता समिति को सशक्त बनाने वाले निम्न लिखित 4 तत्वों पर चर्चा करना है-

1) अंतर्विभागीय संपर्क-
   - कैसे विभिन्न विभाग डब्ल्यू.यू.ए. के लिए उपयोगी हो सकते है
   - सम्बंधित योजनाओं से लाभ

2) महिलाओं की भागीदारी

3) कुशल नेतृत्व

4) सामुदायिक जुड़ाव (समुदाय के एकत्रीकरण के मूल्य)

इस उप-मॉड्यूल में हम सामुदायिक जुड़ाव (कम्यूनिटी मोबिलाइजेशन) पर चर्चा करेंगे:

सामुदायिक जुड़ाव (कम्यूनिटी मोबिलाइजेशन)

एक विशेष कार्यक्रम के लिए, सामुदायिक जुड़ाव अथवा समुदाय के एकत्रीकरण के लिए लोगों की जागरूकता, आत्मनिर्भरता और भागीदारी आवश्यक है । इसके द्वारा कई हितधारकों को एक साथ लाने की कोशिश की जाती है । बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है जब समुदाय के विभिन्न स्तरों से लोग एक लक्ष्य को साधने के लिए सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं । सभी किसानों का एकत्रीकरण डब्ल्यू.यू.ए. को सशक्त बनाने और उन्हें अपने स्वयं के विकास को शुरू करने एवं निरंतरता प्रदान करने में मदद करता है ।

सरल शब्दों में, प्रभावी और सभी किसानों का एकत्रीकरण एक जीवंत डब्ल्यू.यू.ए. के लिए मददगार हो सकता है । सामुदायिक जुड़ाव के रूप में, डब्ल्यू.यू.ए. और अन्य हितधारकों (सरकारी विभागों, जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन आदि) के सभी सदस्यों को डब्ल्यू.यू.ए. बनाने या डब्ल्यू.यू.ए. को मजबूत करने की दिशा में चल रही विकासात्मक गतिविधियों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए । एक संगठित एवं सौहार्देयपूर्ण डब्ल्यू.यू.ए. बनने के लिए चार प्रमुख कदम हैं, जिनका अनुपालन करते हुए डब्ल्यू.यू.ए. सदस्य सक्रिय एवं सतर्क हो सकते हैं तथा साथ ही साथ डब्ल्यू.यू.ए. सदस्य डब्ल्यू.यू.ए. के मामलों को निपटने के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं । ये चार कदम हैं:.

- *<u>जागरूक</u>* - इसके अंतरगक निम्नलिखित कार्य करने चाहिए: (i) समूह की बैठकों की मदद से, (ii) आपस में चर्चाएं, (iii) पर्चे और पठन सामग्री का वितरण और

पाठ, (iv) ऑडियो-विजुअल सत्र, (v) प्रदर्शन और (vi) सक्रिय डब्ल्यू.यू.ए. के साथ ज्ञान का आदान-प्रदान, (vii) सामान्य डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों या किसानों को डब्ल्यू.यू.ए. के उद्देश्य के बारे में जागरूक करना । ऐसा करने से एक मजबूत डब्ल्यू.यू.ए. बन सकती है।

- *संगठित* - एक बार किसान या डब्ल्यू.यू.ए. के सदस्य जागरूक हो जाएँ, की वे एक साझा लक्ष्य के लिए प्रयासरत है, तो वह संगठित हो जाते है। ऐसा करने क लिए, किसानों एवं डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों को आपस में परामर्श और विचार-विमर्श करते रहना चाहिए तथा नहीं-मानाने वाले किसानों या सदस्यों को मनाना चाहिए।

- *एकजुट* - जागरूक और संगठित किसान या डब्ल्यू.यू.ए. सदस्य एक साथ मिल कर एक साझे कार्यक्रम में सहयोग करते हैं, क्योंकि वो समझ सकते हैं अथवा एक दूसरे को कार्यक्रम के बारे में समझा सकते हैं ।

- *सशक्त* - एक बार जब डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों या किसानों को एक साझा मकसद के लिए जुटाया जाता है, तो उन्हें किसी संस्था के माध्यम से या मौजूदा संस्था की क्षमता निर्माण के माध्यम से सशक्त बनाया जा सकता है ताकि संस्था को उनके लिए अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके।

ऐसा होने से, अपने मामलों के निपटारे के लिए सक्षम होगी । साथ हे साथ, वह डब्ल्यू.यू.ए. किसानों और निकटवर्ती डब्ल्यू.यू.ए. के लिए रोल मॉडल होगी । इसके अलावा, वह डब्ल्यू.यू.ए. सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बातचीत करके अपनी बात मनवाने के लिए सक्षम होगी।

प्रभावी सामुदायिक जुड़ाव अथवा समुदाय के एकत्रीकरण के कई उदाहरण हैं जिससे किसानों या डब्ल्यू.यू.ए. की मौजूदा स्थिति में आमूल-चूल परिवर्तन हो सकता है। ऐसा ही एक उदाहरण की यहां नीचे चर्चा की गई है:

खानपुर माइनर (सेवहरा ब्लॉक, बिजनौर जिला उत्तर प्रदेश)

प्रमुख मुद्दे: (1) जर्जर सिंचाई प्रणाली, (2) टेल-एंड किसानों को पिछले 10-12 वर्षों से पर्याप्त नहरी पानी नहीं मिला, (3) टेल-गुल से निचले क्षेत्र में अतिक्रमण कर लिया गया था तथा (4) एक पास की करुला नदी में गर्मी के मौसम के दौरान पानी बहुत कम या न के बराबर रह जाता था ।

सूखी करुला नदी

जर्जर खानपुर सिंचाई नहर

कार्यक्रम के उद्देश्य: कृषि उत्पादकता में सुधार करते हुए खानपुर माइनर के सिंचाई वाले क्षेत्र से बचाए गए पानी के द्वारा करुला नदी (रामगंगा नदी प्रणाली का हिस्सा) में प्रवाह बढ़ाना।

यह सामुदायिक जुड़ाव अथवा समुदाय के एकत्रीकरण के माध्यम से किया गया और अंत में खानपुर माइनर के स्तर पर एक डब्ल्यू.यू.ए. का गठन किया गया । समुदाय के एकत्रीकरण के कार्य के रूप में, किसानों को कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया, फिर वे संगठित हुए और इस साझा कार्यक्रम के लिए साथ आये । इस प्रक्रिया में, सिंचाई में जल की मांग घटाने (गन्ने में कुशल सिंचाई तकनीक, जैव उर्वरक और जैव कीटनाशकों के बारे में जानकारी, और जल-आपूर्ति सम्बन्धी कार्य (नहर प्रणाली का पुनर्वास और नहर के टेल-एंड से करुला नदी तट तक जल-मार्ग का निर्माण किया गया ताकि बचाये गए सिंचाई जल करुला नदी में प्रवाहित किया जा सके । संस्थागत सुदृढ़ीकरण के भाग के रूप में, कमांड के किसानों को यू.पी. पी.आई.एम. अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जागरूक किया गया । इस गतिविधि के माध्यम से, कमांड के किसानों को डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों के रूप में अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों का पता चल सका । खानपुर माइनर डब्ल्यू.यू.ए. का गठन हो गया है।

खेती से बचा पानी करौला नदी में जाते हुए ट्रेंच-आधारित गन्ने की खेती

अंत में.....

डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों के बीच सिंचाई जल का संचालन, रखरखाव, विवेकपूर्ण वितरण और कुशल उपयोग एक डब्ल्यू.यू.ए. की प्रमुख जिम्मेदारी है । इस अध्याय में जिन पहलुओं पर चर्चा की गई है, वे न केवल डब्ल्यू.यू.ए. के पदाधिकारियों बल्कि सदस्यों की भी सहायता करेंगे, क्योंकि इससे उन्हें इस अध्याय में चर्चा किए गए विभिन्न कारकों और पहलुओं से उनके ज्ञान-आधार के निर्माण और/या सुदृढ़ीकरण में मदद मिलेगी । इन लोगों को एक जीवंत, सक्रिय और प्रभावी डब्ल्यू.यू.ए. सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी । साथ ही साथ डब्ल्यू.यू.ए. समग्र पर्यावरण और सामाजिक स्थिरता के लिए भी योगदान देगी ।

इसलिए यह आशा की जाती है कि, इस अध्याय से प्राप्त जानकारी की सहायता से डब्ल्यू.यू.ए. के सदस्य और किसान अपनी संस्था को अगले स्तर तक उठाने में अपनी भूमिका के प्रति प्रोत्साहित महसूस करेंगे।

--x–